Ministry of Cooperation | सहकारिता मंत्रालय
Government of India | भारत सरकार

NCCT CO-OP NEWS BULLETIN

Date: 30.01.2024

Sr No	Date	Publication	Edition	Page no.
1.	26-01-2024	Sakshi	Andhra Pradesh	11
2.	27-01-2024	Sahkar Srishti	Rajasthan	4
3.	27-01-2024	Sahkar Srishti	Rajasthan	4
4.	28-01-2024	Srinagar Jang	Srinagar	1
5.	29-01-2024	Spasht Awaz	Gorakhpur	3
6.	30-01-2024	Patrika	Prayagraj	7
7.	30-01-2024	Chandigarh News	Chandigarh	5
8.	30-01-2024	Mercury Times	Chandigarh	5
9.	30-01-2024	Democratic Front	Chandigarh	16
10.	30-01-2024	Dainik Bhaskar	Chandigarh	16

Publication:	Sakshi, Pg 11	Edition: Andhra Pradesh	Print
Published Date:	January 26, 2024		

సాక్షి

కామన్ సర్వీస్ సెంటర్లుగా పీఏసీఎస్‌లు

- దేశవ్యాప్తంగా 30 వేలు.. ఏపీలో ఇప్పటికే 1,810 పీఏసీఎస్‌ల అంగీకారం
- ఎన్‌ఏసీఎస్ ద్వారా ఫిబ్రవరి నుంచి విడతల వారీగా సిబ్బందికి శిక్షణ

సాక్షి, అమరావతి: 'సహకార్ సే సమృద్ధి' అనే నినాదంతో ప్రాథమిక వ్యవసాయ పరపతి సంఘాల (పీఏసీఎస్)ను కామన్ సర్వీస్ సెంటర్లు (సీఎస్‌సీ)గా తీర్చిదిద్దేందుకు సీఎస్‌సీ ఈ గవర్నెన్స్ సర్వీసెస్ ఇండియా లిమిటెడ్‌తో కేంద్ర ప్రభుత్వం ఒప్పందం చేసుకుంది. పీఏసీఎస్‌లను ఆర్థికంగా బలోపేతం చేయడమే లక్ష్యంగా ప్రభుత్వం ఈ ప్రాజెక్టు చేపట్టింది. దేశవ్యాప్తంగా 30 వేల పీఏసీఎస్‌లను సీఎస్‌సీలుగా మార్చనుండగా, ఏపీలో ఇప్పటికే 1,810 పీఏసీఎస్‌లు అంగీకారం తెలియజేశాయి. ఈ ప్రాజెక్టు కోసం ఇప్పటికే రాష్ట్ర స్థాయి నోడల్ ఆఫీసర్లను నియమించింది.

గ్రామస్థాయిలో 300కు పైగా పౌరసేవలు

యూనివర్సల్ టెక్నాలజీ ప్లాట్ ఫామ్ ద్వారా అన్ని రకాల ఈ-సేవలను గ్రామస్థాయిలో అందుబాటులోకి తీసుకురావడమే ఈ ప్రాజెక్టు లక్ష్యం. గ్రామీణ ప్రాంతాల్లో సామాన్య పౌరులతో పాటు రైతులకు 300కు పైగా వివిధరకాల పౌరసేవలను ఈ సీఎస్‌సీల ద్వారా అందించనున్నారు. రాష్ట్ర పరిధిలో 500కు పైగా పీఏసీఎస్ సేవలు అందుబాటులోకి వచ్చాయి. మిగిలిన పీఏసీఎస్‌ల్లో కూడా దశల వారీగా ఈ సేవలను అందుబాటులోకి తెచ్చేందుకు సన్నాహాలు చేస్తున్నారు. సీఎస్‌సీలుగా మారనున్న పీఏసీఎస్‌లను పౌరులకు బ్యాంకింగ్, బీమా, పాన్ కార్డులు, రైళ్ల బస్సులు, విమానాలకు సంబంధించిన ట్రావెల్ బుకింగ్స్, ఆధార్ అప్డేట్, న్యాయ సలహాల వరకు అనేక రకాల సేవలను వన్‌స్టాప్ షాపులుగా తీర్చిదిద్దనున్నారు. పౌర సేవల కోసం ప్రభుత్వ కార్యాలయాలకు వెళ్లకుండా ప్రజల ముంగిటకు తీసుకెళ్లడమే లక్ష్యంగా ఏర్పాటు చేస్తున్న సీఎస్‌సీలలో ఇన్ఫర్మేషన్ అండ్ కమ్యూనికేషన్ టెక్నాలజీ (ఐసీటీ) సాధనాలతో మౌలిక సదుపాయాలు ఏర్పాటు చేస్తారు.

ఎన్‌సీసీటీ ద్వారా శిక్షణ..

సీఎస్‌సీల్లో సేవలందించేందుకు వీలుగా పీఏసీఎస్‌ల సిబ్బందికి నేషనల్ కౌన్సిల్ ఫర్ కో ఆపరేటివ్ ట్రైనింగ్ (ఎన్‌సీసీటీ) ద్వారా ఫిబ్రవరి, మార్చి నెలల్లో విడతల వారీగా శిక్షణ ఇచ్చేందుకు ఏర్పాట్లు చేస్తున్నారు. ఇందుకోసం ఎన్‌సీసీటీ ద్వారా శిక్షణ పొందిన 80 మంది మాస్టర్ ట్రైనర్స్ దేశంలోని 28 రాష్ట్రాల్లోని 570 జిల్లాల్లో ఎంపిక చేసిన పీఏసీఎస్‌ల సిబ్బందికి శిక్షణ ఇవ్వనున్నారు.

13కోట్ల మంది రైతులకు లబ్ధి

పీఏసీఎస్‌లను దశల వారీగా సీఎస్‌సీలు తీర్చిదిద్దాలని కేంద్రం సంకల్పించింది. ఇప్పటికే 30వేల పీఏసీఎస్‌లను గుర్తించింది. ఈ సిబ్బందికి అత్యాధునిక శిక్షణ ఇవ్వనుంది. సీఎస్‌సీల ద్వారా అందించే సేవలతో 13 కోట్ల మంది రైతులకు లబ్ధి చేకూరనుంది. ఈ మార్పుతో అదనపు ఆదాయాన్ని ఆర్జించడం ద్వారా పీఏసీఎస్‌లు స్వయం సమృద్ధి సాధించి ఆర్థికంగా బలోపేతం కానున్నాయి

- డాక్టర్ ఎస్ఎల్ఎన్‌టీ శ్రీనివాస్
స్టేట్ కో-ఆర్డినేటర్, ఎన్‌సీసీటీ

26/01/2024 | Andhra Pradesh (Andhra Pradesh Main) | Page : 11
Source : https://epaper.sakshi.com/

Publication:	Sahkar Srishti (Weekly), Pg 4	Edition: Jaipur	Print
Published Date:	January 27, 2024		

देशभर से 250 प्राथमिक कृषि ऋण समिति भी कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड 2024 के साक्षी बनी

सहकार सृष्टि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सहकार से समृद्धि की परिकल्पना को साकार करने के लिए गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में सहकारिता मंत्रालय ने बहुत ही कम समय में ही 54 से अधिक महत्वपूर्ण पहल की हैं कुछ ब्लाप्स के अध्यक्षों ने अपनी-अपनी समितियों को ब्लाप्स कम्प्यूटरीकरण परियोजना से हुए लाभ के बारे में अनुभव भी साझा किए देशभर से लगभग 250 लाभार्थी प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (ब्लाप्स) के अध्यक्ष और उनके परिजन भारत सरकार के ÷विशेष अतिथि÷ के रूप में इस बार कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड 2024 के साक्षी बने। परेड देखने के बाद, विशेष अतिथि शाम को लाल क़िले पर आयोजित ÷भारत पर्व÷ में शामिल हुए। विशेष अतिथियों ने दो दिवसीय गणतंत्र दिवस उत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की ÷सहकार से समृद्धि÷ की परिकल्पना को साकार करने के लिए गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में सहकारिता मंत्रालय ने बहुत ही कम समय में 54 से अधिक महत्वपूर्ण पहल की हैं। ÷ब्लाप्स का कम्प्यूटरीकरण÷ इनमें से एक प्रमुख पहल है, जिसके तहत 2,516 करोड़ रुपये के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ 63,000 ब्लाप्स को कम्प्यूटरीकृत किया जा रहा है। अब तक, 28 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 12,000 से अधिक पैक्स को कम्प्यूटरीकृत किया जा चुका है।

सहकारिता मंत्रालय ने 24 राज्यों एवं 2 केंद्र शासित प्रदेश में स्थित कंप्यूटरीकरण परियोजना के चयनित 250 लाभार्थी ब्लाप्स के अध्यक्षों और उनके परिवार को गणतंत्र दिवस परेड देखने के लिए आमंत्रित किया था। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर सहकारिता राज्य मंत्री श्री बी.एल वर्मा ने सभी आमंत्रित अतिथियों से मुलाक़ात की और उनके साथ रात्रि भोज किया। इस अवसर पर श्री वर्मा ने मंत्रालय द्वारा शुरू की गई विभिन्न महत्वपूर्ण पहल के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होनें उपस्थित अतिथियों को यह आश्वासन भी दिया की सहकारिता मंत्रालय आगे भी इसी तरह सहकारिता क्षेत्र के सशक्तिकरण के लिए कार्यरत रहेगा। कुछ ब्लाप्स के अध्यक्षों ने अपनी-अपनी समितियों को ब्लाप्स कम्प्यूटरीकरण परियोजना से हुए लाभ के बारे में अपने अनुभव भी साझा किए। इस अवसर पर सहकारिता मंत्रालय के विशेष सचिव, अपर सचिव और अनेक वरिष्ठ अधिकारियों के साथ नाबार्ड के कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।सहकारिता मंत्रालय के इस प्रयास से गणतंत्र दिवस पर आमंत्रित इन विशेष अतिथियों का दिल्ली प्रवास एक यादगार अनुभव बना, साथ ही ब्लाप्स कम्प्यूटरीकरण परियोजना की सफलता को प्रदर्शित करने का अवसर भी मिला। यह आयोजन सहभागी पैक्स को 'सहकार से समृद्धि' की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक नए जोश के साथ काम करने के लिए प्रेरित करेगा।

Publication:	Sahkar Srishti (Weekly), Pg 4	Edition: Jaipur	Print
Published Date:	January 27, 2024		

राज्यों/ केंद्रशासित प्रदेशों के ग्रामीण विकास बैंकों और रजिस्ट्रार कार्यालयों का कम्प्यूटरीकरण, सहकारिता मंत्रालय द्वारा उठाया जा रहा महत्वपूर्ण कदम

सहकार सृष्टि

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री को नई दिल्ली में कृषि और ग्रामीण विकास बैंकों और सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार कार्यालयों की कंप्यूटरीकरण परियोजना का शुभारंभ करेंगे। यह कार्यक्रम सहकारिता मंत्रालय द्वारा, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) के सहयोग से, आयोजित किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व और गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में सहकारिता मंत्रालय ÷सहकार-से-समृद्धि÷ के विज़न को साकार करने और करोड़ों किसानों को समृद्ध बनाने के प्रति कटिबद्ध है। प्रधानमंत्री मोदी के सहकार से समृद्धि के विज़न को साकार करने की दिशा में सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के ऋक्क और ऋक्स कार्यालयों का कम्प्यूटरीकरण सहकारिता मंत्रालय द्वारा उठाए गए कई महत्वपूर्ण कदमों में से एक है। सहकारिता मंत्रालय के तत्वाधान में यह परियोजना पूरे सहकारी इकोसिस्टम को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाकर सहकारिता क्षेत्र के आधुनिकीकरण और दक्षता को बढ़ाने की मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

कृषि और ग्रामीण विकास बैंकों की कम्प्यूटरीकरण परियोजना के तहत 13 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में स्थित, ऋक्क की 1851 इकाइयों को कम्प्यूटरीकृत करने और उन्हें एक कॉमन नेशनल सॉफ्टवेयर के माध्यम से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

सहकारिता मंत्रालय की यह पहल के माध्यम से व्यावसायिक प्रक्रियाओं को कर के में परिचालन दक्षता, जवाबदेही और पारदर्शिता को बढ़ाने का काम करेगी। इसके अलावा, इस पहल का उद्देश्य को कम करना, किसानों को ऋण वितरण में सुविधा प्रदान करना और योजनाओं की बेहतर और के लिए को करना है। इस दक्षता से उन छोटे और सीमांत किसानों को लाभ होगा जो जमीनी स्तर पर के माध्यम से ऋण और संबंधित सेवाओं के लिए से जुड़े हुए हैं। केन्द्रीय सहकारिता मंत्रालय की दूसरी प्रमुख पहल के तहत सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार के कार्यालयों का कम्प्यूटरीकरण, कार्यालयों को पेपरलैस कामकाज के लिए प्रेरित करना, राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के सहकारी अधिनियम और नियमों के अनुरूप आईटी-उन्मुख 2ऋह्यद्धद्यऋ2 को लागू करने का लक्ष्य है। इसके साथ ही कार्यालयों में बेहतर दक्षता, जवाबदेही और पारदर्शिता, इट्ठइद्य4ह्लद्धष्ह्य और स्ड्डस स्थापित करना और राष्ट्रीय डेटाबेस के साथ जुड़ाव सुनिश्चित करना भी इसके लक्ष्यों में शामिल है।

सहकारिता मंत्रालय की प्रमुख पहलों के अंतर्गत देशभर में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के कम्प्यूटरीकरण के साथ उन्हें एक कॉमन नेशनल सॉफ्टवेयर के माध्यम से ह्वक्रमद्ध से जोड़ा जा रहा है। के रूप में कर डिजिटल सेवाएं शुरू करने में भी सक्षम बनाया जा रहा है, अब तक 50,000 से अधिक के रूप में हो चुके हैं और 30,000 से अधिक ने सेवाएं देना भी शुरू कर दिया है। इसके अतिरिक्त, सहकारिता मंत्रालय ने एक नया राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस स्थापित किया है जिसमें 8 लाख से अधिक सहकारी समितियों का डेटा उपलब्ध है और इस डेटाबेस को जल्द ही लॉन्च कर इसे सभी हितधारकों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। मंगलवार के कार्यक्रम में 1200 से अधिक प्रतिभागी भाग लेंगे, जिनमें सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के उच्चाधिकारी, सहकारिता विभागों के सचिव और सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार, सभी राज्य सहकारी कृषि और ग्रामीण विकास बैंकों के अध्यक्ष, प्राथमिक सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंकों और एआरडीबी की इकाइयों के प्रतिनिधि शामिल हैं।

Publication:	Srinagar Jang, Pg 1	Edition: Srinagar	Print
Published Date:	January 28, 2024		

دوسو پچاس PACS نے بطور مہمان خصوصی یوم جمہوریہ پریڈ کا مشاہدہ کیا

اپنی سوسائیٹیوں میں PACS کمپیوٹرائزیشن پروجیکٹ سے حاصل فائدوں کے بارے میں بتایا

نئی دلی/ ملک بھر سے پرائمری ایگریکلچرل کریڈٹ سوسائٹی (پی اے سی ایس) کے تقریبا 250 مستفدین اور ان کی/ کے شریک حیات حکومت ہند کے مہمان خصوصی کے طور پر کرتویہ پتھ پر یوم جمہوریہ پریڈ 2024 سے لطف اندوز ہوئے۔ بعد میں شام کو خصوصی مہمانوں نے عملی طور پر لال قلعے میں بھارت پر ویں حصہ لیا۔ وزیراعظم جناب نریندر مودی کے سہکار سے سمردھی ویژن کو عملی جامہ پہنانے کے لئے تعاون کی وزارت نے مرکزی وزیر داخلہ اور تعاون کے/ 18

Publication:	Spasht Awaj, Pg 3	Edition: Gorakhpur	Print
Published Date:	January 29, 2024		

तमाम लोग मौजूद रहे।

गणतंत्र दिवस परेड में शामिल हुए कृषि ऋण समितियों के अध्यक्ष

गोरखपुर।(स्पष्ट आवाज)। देशभर के 24 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों की लगभग 250 प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के अध्यक्ष और उनके परिजन को ÷विशेष अतिथि÷ के रूप में कर्तव्य पथ पर 75वें गणतंत्र दिवस परेड देखने के लिए शामिल हुए। मुख्य समारोह में शामिल होने के बाद शाम को विशेष अतिथियों को ÷भारत पर्व÷ में भी सम्मिलित होने का अवसर मिला। इनमें उत्तर प्रदेश से सबसे अधिक 48 सहकारी समितियों के अध्यक्षों को उनके परिवार के साथ गणतन्त्र दिवस परेड देखने के लिए पर आमंत्रित किया गया था। माया देवी जो मिर्ज़ापुर, यूपी स्थित सहकारी समिति की अध्यक्ष हैं अपने परिवार सहित शामिल हुई। उनकी सहकारी समिति खाद बीज का वितरण एवं चावल गेहूँ की ख़रीद करते हैं। आगरा के हितेंद्र सिंह भी परिवार के साथ आए। उनकी सहकारी समिति किसानों को डीएपी, यूरिया, खाद इत्यादि मुहैया कराती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ÷सहकार से समृद्धि÷ की परिकल्पना को साकार करने के लिए गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में सहकारिता मंत्रालय ने भारत में सहकारिता को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं।

Publication:	Patrika, Pg 7	Edition: Prayagraj	Print
Published Date:	January 30, 2024		

journalist of TV9 Bharatvarsh Kumar are included. journalists.

Chairpersons of 250 PACS Witness R-Day at Kartavyapath as GoI's Special Guests

New Delhi (Agency): Chairpersons and spouses of 250 Primary Agricultural Credit Societies (PACS), including 48 from Uttar Pradesh, chosen as "Special Guests" by the Government of India to honour their vital role in rural development, witnessed the grand Republic Day Parade at Kartavyapath in New Delhi.

Later in the evening of January 26, the special invitees from 24 States and 2 Union Territories actively participated in the "Bharat Parv" held at the Red Fort in the capital. They wholeheartedly celebrated two-day Republic Day festivities with great enthusiasm.

Moving at a fast pace, the Ministry of Cooperation, under Shri Amit Shah's leadership, has already launched over 54 initiatives to drive cooperative progress, aligned with Prime Minister Modi's vision.

"Computerization of PACS" project is one of the major initiatives of the Ministry under which 63,000 PACS are being computerized with the total financial outlay of Rs.2,516 Crores. Till now, more than 12,000 PACS have been computerized across 28 States/UTs.

The Ministry of Cooperation had invited the Chairpersons of around 250 beneficiary PACS and their spouses from across the country to witness the 75th Republic Day celebrations.

On the eve of Republic Day, Union Minister of State for Cooperation Shri B.L. Verma interacted and had dinner with the Special Guests. During the interaction, Shri Verma highlighted many significant initiatives taken by the Ministry of Cooperation.

Minister Verma also assured Chairpersons of PACS about the Ministry of Cooperation's unwavering commitment to furthering the strengthening of the cooperative sector.

Several Chairpersons shared their experiences about the benefits derived from the PACS Computerization Project to their respective Societies. Special Secretary, Additional Secretary and many senior officials of the Ministry of Cooperation and NABARD were also present on the occasion.

By inviting PACS Chairpersons to witness Republic Day grandeur, the Ministry of Cooperation not only crafted an unforgettable experience but also showcased the transformative power of the PACS Computerization Project. This act of inclusion will likely ignite renewed zeal in these societies, propelling them forward on the path to "Sahakar se Samriddhi."

According to NABARD, there are about 63,000 PACS across the country.

Primary Agricultural Credit Societies are the grass root level arms of the short-term co-operative credit structure. PACS deals directly with the rural (agricultural) borrowers, give those loans and collect repayments of loans given and also undertake distribution and marketing functions. The strengthening of Primary Agriculture Credit Societies (PACS) refers to the process of enhancing the capacity, efficiency, and effectiveness of these cooperative institutions that will be providing multiple services to the farmers and rural agricultural communities, apart from credit and financial services.

By strengthening Primary Agriculture Credit Societies, governments and stakeholders aim to improve the overall state of agriculture, uplift rural communities, and promote inclusive economic growth. These efforts can contribute to poverty reduction, food security, and sustainable development in agrarian economies.

Publication:	Chandigarh News, Pg 5	Edition: Chandigarh	Print
Published Date:	January 30, 2024		

Over 12,000 PACS go digital, opening doors to easier farm loans

Chandigarh, January 29: More than 12,000 Primary Agricultural Credit Cooperative Societies (PACS) have been computerized across 28 States/UTs, a development which will bring more transparency in their functioning and improve farmers' access to credit.

The Ministry of Cooperation under the leadership of Amit Shah, recently launched an ambitious initiative to computerise 63,000 PACSs across the country with an investment of Rs 2,516 crore. The Ministry of Cooperation has taken more than 54 initiatives in a short period to realise Prime Minister Narendra Modi's vision of 'Sahkar se Samriddhi' (Prosperity through cooperatives) to boost the rural economy by strengthening cooperative movement in the country. "Till now, more than 12,000 PACS have been computerised across 28 States/UTs," Ministry of Cooperation said in a release. Meanwhile, Union Home Minister and Minister of Cooperation Shri Amit Shah will launch computerisation project of Agriculture & Rural Development Banks (ARDBs) and Registrar of Cooperative Societies (RCSs) of States/UTs in New Delhi on January 30, 2024. Computerisation of ARDBs and RCS offices of States/UTs is an important step taken by the Ministry of Cooperation. The project will modernise and enhance efficiency of the cooperative sector by bringing the entire cooperative ecosystem on a digital platform.

Publication:	Mercury Times, Pg 5	Edition: Chandigarh	Print
Published Date:	January 30, 2024		

Over 12,000 PACS go digital, opening doors to easier farm loans

MT NEWS SERVICE

Chandigarh, January 29:

More than 12,000 Primary Agricultural Credit Cooperative Societies (PACS) have been computerized across 28 States/UTs, a development which will bring more transparency in their functioning and improve farmers' access to credit. In a statement issued to mercury times, the Ministry of Cooperation under the leadership of Amit Shah, recently launched an ambitious initiative to computerise 63,000 PACSs across the country with an investment of Rs 2,516 crore. The Ministry of Cooperation has taken more than 54 initiatives in a short period to realise Prime Minister Narendra Modi's vision of 'Sahkar se Samriddhi' (Prosperity through cooperatives) to boost the rural economy by strengthening cooperative movement in the country. "Till now, more than 12,000 PACS have been computerised across 28 States/UTs," Ministry of Cooperation said in a release. Meanwhile, Union Home Minister and Minister of Cooperation Shri Amit Shah will launch computerisation project of Agriculture & Rural Development Banks (ARDBs) and Registrar of Cooperative Societies (RCSs) of States/UTs in New Delhi on January 30, 2024.

Computerisation of ARDBs and RCS offices of States/UTs is an important step taken by the Ministry of Cooperation.

Publication:	Democratic Front, Pg 16	Edition: Chandigarh	Print
Published Date:	January 30, 2024		

12,000 पीएसीएस का कंप्यूटरीकरण हुआ पूरा, किसानों को होगा लाभ

डेमोक्रेटिक फ्रंट चंडीगढ़। 28 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में 12,000 से अधिक प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समितियों (पीएसीएस) का कम्प्यूटरीकरण हो चुका है। इस प्रगति का उद्देश्य उनके संचालन में पारदर्शिता बढ़ाना और किसानों को ऋण वितरण में सुविधा प्रदान करना है। अमित शाह के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय ने हाल ही में 2,516 करोड़ रुपये के निवेश के साथ देश भर में 63,000 पैक्स को कम्प्यूटरीकृत करने की महत्वाकांक्षी पहल शुरू की है।

देश में सहकारी आंदोलन को मजबूत करके ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सहकार से समृद्धि की परिकल्पना को साकार करने के लिए सहकारिता मंत्रालय ने बहुत कम समय में ही 54 से अधिक महत्वपूर्ण पहल की हैं।

सहकारिता मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा, अब तक, 28 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 12,000 से अधिक पैक्स को कम्प्यूटरीकृत किया जा चुका है।

इस बीच, केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 30 जनवरी, 2024 (मंगलवार) को नई दिल्ली में कृषि और ग्रामीण विकास बैंकों और सभी राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों की सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार कार्यालयों की कंप्यूटरीकरण परियोजना का शुभारंभ करेंगे। राज्यों/ केंद्रशासित प्रदेशों के एआरडीबी और आरसीएस कार्यालयों का कम्प्यूटरीकरण, सहकारिता मंत्रालय द्वारा उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। यह परियोजना संपूर्ण सहकारी पारिस्थितिकी तंत्र को एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाकर सहकारी क्षेत्र का आधुनिकीकरण करेगी और उसकी दक्षता बढ़ाएगी।

63,000 कार्यात्मक पीएसीएस को मजबूत करने के उद्देश्य से उनके कम्प्यूटरीकरण की परियोजना को भारत सरकार द्वारा मंजूरी दे दी गई है। परियोजना में पीएसीएस को ईआरपी (एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग) आधारित सामान्य राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर पर लाना, उन्हें राज्य सहकारी बैंकों (एसटीसीबी) और जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों (डीसीसीबी) के माध्यम से नाबार्ड से जोड़ना शामिल है। कम्प्यूटरीकरण परियोजना का उद्देश्य पीएसीएस में प्रशासन और पारदर्शिता में सुधार करना है, जिससे ऋणों का तेजी से वितरण, लेनदेन लागत कम होना, भुगतान में असंतुलन में कमी, डीसीसीबी और एसटीसीबी के साथ निर्बाध लेखांकन हो सके। इससे किसानों के बीच पैक्स के कामकाज में दक्षता बढ़ेगी और विश्वसनीयता बढ़ेगी, जिससे सहकार से समृद्धि के दृष्टिकोण को साकार करने में योगदान मिलेगा।

प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ अल्पकालिक सहकारी ऋण संरचना की जमीनी स्तर की शाखाएँ हैं। पीएसीएस सीधे ग्रामीण (कृषि) उधारकर्ताओं से निपटता है, उन्हें ऋण देता है और दिए गए ऋणों का पुनर्भुगतान एकत्र करता है।

Publication:	Dainik Bhaskar, Pg 16	Edition: Chandigarh	Print
Published Date:	January 30, 2024		

12,000 पीएसीएस का कंप्यूटरीकरण हुआ पूरा, किसानों को होगा लाभ

चंडीगढ़। 28 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में 12,000 से अधिक प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समितियों (पीएसीएस) का कम्प्यूटरीकरण हो चुका है। इस प्रगति का उद्देश्य उनके संचालन में पारदर्शिता बढ़ाना और किसानों को ऋण वितरण में सुविधा प्रदान करना है। अमित शाह के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय ने हाल ही में 2,516 करोड़ रुपये के निवेश के साथ देश भर में 63,000 पैक्स को कम्प्यूटरीकृत करने की महत्वाकांक्षी पहल शुरू की है। देश में सहकारी आंदोलन को मजबूत करके ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सहकार से समृद्धि की परिकल्पना को साकार करने के लिए सहकारिता मंत्रालय ने बहुत कम समय में ही 54 से अधिक महत्वपूर्ण पहल की हैं। सहकारिता मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा, अब तक, 28 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 12,000 से अधिक पैक्स को कम्प्यूटरीकृत किया जा चुका है। इस बीच, केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 30 जनवरी, 2024 (मंगलवार) को नई दिल्ली में कृषि और ग्रामीण विकास बैंकों और सभी राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों की सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार कार्यालयों की कंप्यूटरीकरण परियोजना का शुभारंभ करेंगे। राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के एआरडीबी और आरसीएस कार्यालयों का कम्प्यूटरीकरण, सहकारिता मंत्रालय द्वारा उठाया गया महत्त्वपूर्ण कदम है। यह परियोजना संपूर्ण सहकारी पारिस्थितिकी तंत्र को एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाकर सहकारी क्षेत्र का आधुनिकीकरण करेगी और उसकी दक्षता बढ़ाएगी। 63,000 कार्यात्मक पीएसीएस को मजबूत करने के उद्देश्य से उनके कम्प्यूटरीकरण की परियोजना को भारत सरकार द्वारा मंजूरी दे दी गई है। परियोजना में पीएसीएस को ईआरपी (एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग) आधारित सामान्य राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर पर लाना, उन्हें राज्य सहकारी बैंकों (एसटीसीबी) और जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों (डीसीसीबी) के माध्यम से नाबार्ड से जोड़ना शामिल है। कम्प्यूटरीकरण परियोजना का उद्देश्य पीएसीएस में प्रशासन और पारदर्शिता में सुधार करना है, जिससे ऋणों का तेजी से वितरण, लेनदेन लागत कम होना, भुगतान में असंतुलन में कमी, डीसीसीबी और एसटीसीबी के साथ निर्बाध लेखांकन हो सके।इससे किसानों के बीच पैक्स के कामकाज में दक्षता बढ़ेगी और विश्वसनीयता बढ़ेगी, जिससे सहकार से समृद्धि के दृष्टिकोण को साकार करने में योगदान मिलेगा।प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ अल्पकालिक सहकारी ऋण संरचना की जमीनी स्तर की शाखाएँ हैं। पीएसीएस सीधे ग्रामीण (कृषि) उधारकताओं से निपटता है, उन्हें ऋण देता है और दिए गए ऋणों का पुनर्भुगतान एकत्र करता है, और वितरण और विपणन कार्य भी करता है।

LOCATIONS OF NCCT INSTITUTES

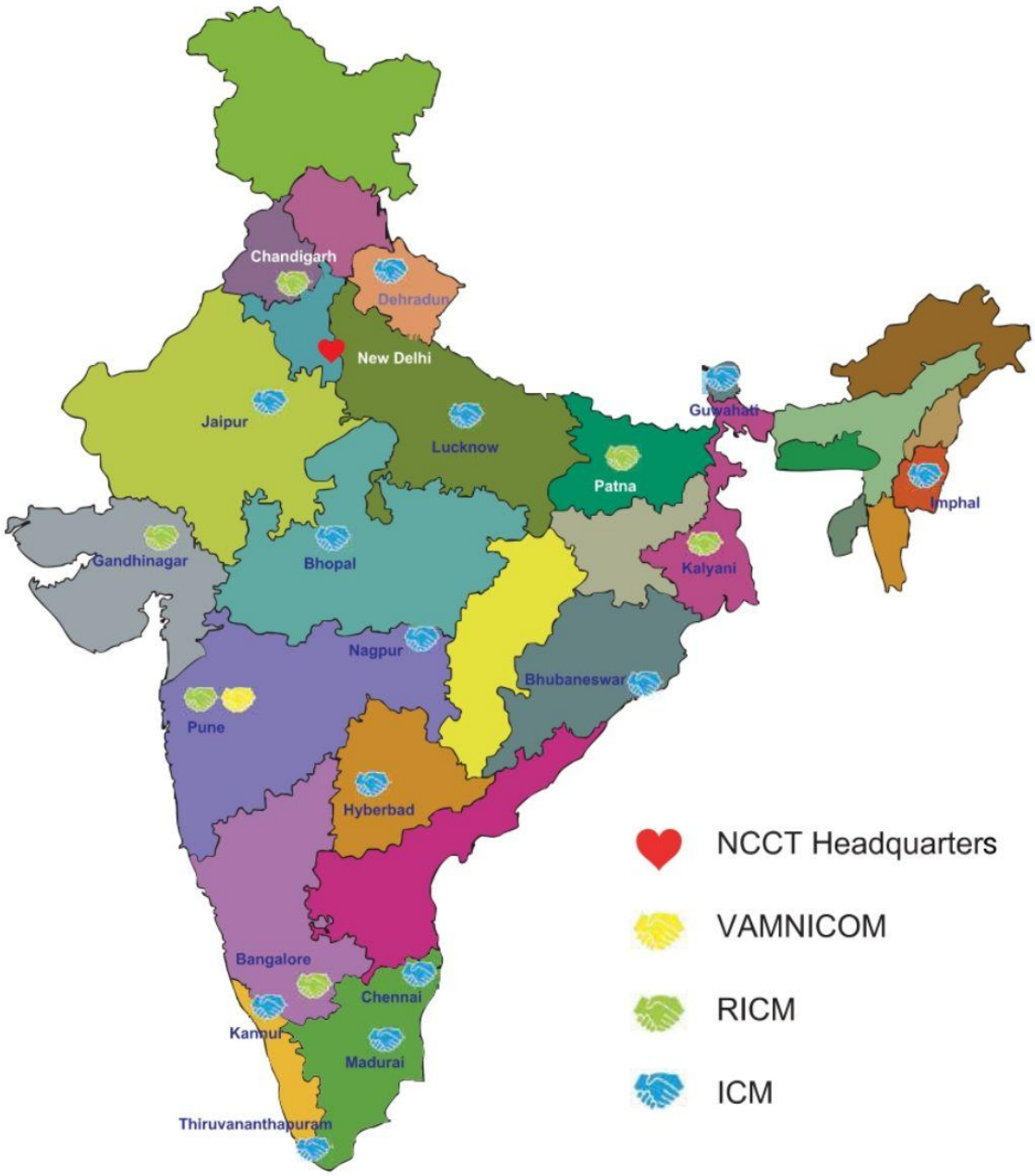

NATIONAL COUNCIL FOR COOPERATIVE TRAINING

(AN AUTONOMOUS SOCIETY PROMOTED BY MINISTRY OF COOPERATION, GOVERNMENT OF INDIA)

3, Siri Institutional Area (3rd Floor), August Kranti Marg, New Delhi-110016

011-41096510 secy-ncct@gov.in www.ncct.ac.in